DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

सन्धि

LIVE 14-03-2024 09:00 AM

सन्धि

- स्वर सन्धि - 5
  - दीर्घ
  - गुण
  - वृद्धि
  - यण
  - अयादि
- व्यंजन सन्धि
- विसर्ग सन्धि

परिभाषा- सन्धि का शाब्दिक अर्थ मेल या जोड़ होता है।
सन्धि का विलोम शब्द विग्रह होता है।

"दो वर्णों के मेल को सन्धि कहते हैं।"

अथवा

"दो वर्णों के सहयोग से किसी शब्द के निर्माण में जो परिवर्तन होता है। उसे सन्धि कहते हैं।"

प्रत्येक

प्रति + एक

इ + ए = ये

यण

त + अ

अस्त + अचल = अस्ताचल

अ + अ = आ

दीर्घ

नोट- सन्धि के तीन भेद/प्रकार होते हैं।

① - स्वर सन्धि ⇒ दो स्वरों के मेल से किसी शब्द के निर्माण में स्वर में जो परिवर्तन होता है। उसे स्वर सन्धि कहते हैं। इसके पाँच भेद | प्रकार होते हैं।

वात + आवरण = वातावरण

अ + आ = आ

दो स्वर → परिवर्तन

- दीर्घ
- गुण
- वृद्धि
- यण
- अयादि

(i)- दीर्घ सन्धि ⇒ दीर्घ सन्धि में दो स्वर आपस में मिलकर दीर्घ (आ, ई, ऊ) हो जाते हैं। वहाँ दीर्घ सन्धि होती है।
↓
बड़ा

अथवा

99%
ट्रिक - शब्द के दूसरे या तीसरे वर्ण पर (आ, ई, ऊ) का बोध हो।

अ + अ = आ	
अ + आ = आ	
आ + अ = आ	
आ + आ = आ	

इ + इ = ई	
इ + ई = ई	
ई + इ = ई	
ई + ई = ई	

उ + उ = ऊ	
उ + ऊ = ऊ	
ऊ + उ = ऊ	
ऊ + ऊ = ऊ	

अ + अ = आ

शरण + अर्थी = शरणार्थी

चरण + अमृत = चरणामृत

देश + अटन = देशाटन

पूर्ण + अंक = पूर्णांक

वीर + अंगना = वीरांगना

उदय +अचल = उदयाचल

दिवस + अवसान = दिवसावसान

दिव्य + अस्त्र = दिव्यास्त्र

नयन + अभिराम = नयनाभिराम

गीत + अंजलि= गीतांजलि

स्व + अर्थ = स्वार्थ

पुष्प + अवली = पुष्पावली

देह + अंत = देहांत

स्वार्थी – दीर्घ

↓

स्व + अर्थी

अ + आ = आ

सत्य + आग्रह = सत्याग्रह

भोजन + आलय = भोजनालय

शरण + आगत = शरणागत

वात + आवरण = वातावरण

देव + आलय = देवालय

शुभ + आगमन = शुभागमन

पुस्तक + आलय = पुस्तकालय

आ + अ = आ

परीक्षा + अर्थी = परीक्षार्थी

परा + अस्त = परास्त

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

सीमा + अंकित = सीमांकित

रेखा + अंकित = रेखांकित

सीमा + अंत = सीमान्त

आ + आ = आ

प्रतीक्षा + आलय = प्रतीक्षालय

विद्या + आलय = विद्यालय

वार्ता + आलाप = वार्तालाप

महा + आशय = महाशय

दया + आनन्द = दयानन्द

श्रद्धा + आनन्द = श्रद्धानन्द

इ + इ = ई

अति + इव = अतीव

कवि + इन्द्र = कवीन्द्र

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र

अभि + इष्ट = अभीष्ट

रवि + इन्द्र = रवीन्द्र

गिरि + इंद्र = गिरीन्द्र

इ + ई = ई

प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा

हरि + ईश = हरीश

कपि + ईश = कपीश

परि + ईक्षित = परीक्षित

गिरि + ईश = गिरीश

मुनि + ईश्वर = मुनीश्वर

परि + ईक्षा = परीक्षा

परि + ईक्षण = परीक्षण

ई + इ = ई

मही + इन्द्र = महीन्द्र

फणी + इन्द्र = फणीन्द्र

योगी + इन्द्र = योगीन्द्र

शची + इन्द्र = शचीन्द्र

लक्ष्मी + इच्छा = लक्ष्मीच्छा

ई + ई = ई

रजनी + ईश = रजनीश

श्री + ईश = श्रीश

नदी + ईश = नदीश

पृथ्वी + ईश = पृथ्वीश

गौरी + ईश्वर = गौरीश्वर

सती + ईश = सतीश

उ + उ = ऊ

अनु + उदित = अनूदित

लघु + उत्तम = लघूत्तम

सु + उक्ति = सूक्ति

मंजु + उषा = मंजूषा

विधु + उदय = विधूदय

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

ऊ रूपया ✗

रुपया ✓

उ

उ + ऊ = ऊ

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि

साधु + ऊर्जा = साधूर्जा

धातु + ऊष्मा = धातूष्मा

अंबु + ऊर्मि = अंबूर्मि

ऊ + उ = ऊ

वधू + उत्सव = वधुत्सव

भू + उद्धार = भुद्धार

भू + उत्सर्ग = भुत्सर्ग

भू + उत्तम = भुत्तम

वधू + उपकार = वधूपकार

ऊ + ऊ = ऊ

सरयू + ऊर्मि = सरयूर्मि

भू + ऊष्मा = भूष्मा

वधू + ऊर्मि = वधूर्मि

भू + ऊर्जा = भूर्जा

ऋ + ऋ = ऋ ⇒ अपवाद ⇒ दीर्घ सन्धि

होतृ + ऋकार = होतृकार

पितृ + ऋण = पितृण

मातृ + ऋण = मातृण

भ्रातृ + ऋण = भ्रातृण